يَـٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُواْ لَا تَأۡكُلُواْ ٱلرِّبَوٰٓاْ أَضۡعَٰفٗا مُّضَٰعَفَةٗۖ
وَٱتَّقُواْ ٱللَّهَ لَعَلَّكُمۡ تُفۡلِحُونَ ١٣٠ وَٱتَّقُواْ ٱلنَّارَ ٱلَّتِيٓ أُعِدَّتۡ
لِلۡكَٰفِرِينَ ١٣١ وَأَطِيعُواْ ٱللَّهَ وَٱلرَّسُولَ لَعَلَّكُمۡ تُرۡحَمُونَ ١٣٢
* وَسَارِعُوٓاْ إِلَىٰ مَغۡفِرَةٖ مِّن رَّبِّكُمۡ وَجَنَّةٍ عَرۡضُهَا
ٱلسَّمَٰوَٰتُ وَٱلۡأَرۡضُ أُعِدَّتۡ لِلۡمُتَّقِينَ ١٣٣ ٱلَّذِينَ يُنفِقُونَ فِي
ٱلسَّرَّآءِ وَٱلضَّرَّآءِ وَٱلۡكَٰظِمِينَ ٱلۡغَيۡظَ وَٱلۡعَافِينَ عَنِ ٱلنَّاسِۗ
وَٱللَّهُ يُحِبُّ ٱلۡمُحۡسِنِينَ ١٣٤ وَٱلَّذِينَ إِذَا فَعَلُواْ فَٰحِشَةً أَوۡ
ظَلَمُوٓاْ أَنفُسَهُمۡ ذَكَرُواْ ٱللَّهَ فَٱسۡتَغۡفَرُواْ لِذُنُوبِهِمۡ وَمَن يَغۡفِرُ
ٱلذُّنُوبَ إِلَّا ٱللَّهُ وَلَمۡ يُصِرُّواْ عَلَىٰ مَا فَعَلُواْ وَهُمۡ يَعۡلَمُونَ ١٣٥
أُوْلَٰٓئِكَ جَزَآؤُهُم مَّغۡفِرَةٞ مِّن رَّبِّهِمۡ وَجَنَّٰتٞ تَجۡرِي مِن تَحۡتِهَا
ٱلۡأَنۡهَٰرُ خَٰلِدِينَ فِيهَاۚ وَنِعۡمَ أَجۡرُ ٱلۡعَٰمِلِينَ ١٣٦ قَدۡ خَلَتۡ مِن
قَبۡلِكُمۡ سُنَنٞ فَسِيرُواْ فِي ٱلۡأَرۡضِ فَٱنظُرُواْ كَيۡفَ كَانَ عَٰقِبَةُ
ٱلۡمُكَذِّبِينَ ١٣٧ هَٰذَا بَيَانٞ لِّلنَّاسِ وَهُدٗى وَمَوۡعِظَةٞ لِّلۡمُتَّقِينَ
١٣٨ وَلَا تَهِنُواْ وَلَا تَحۡزَنُواْ وَأَنتُمُ ٱلۡأَعۡلَوۡنَ إِن كُنتُم مُّؤۡمِنِينَ
١٣٩ إِن يَمۡسَسۡكُمۡ قَرۡحٞ فَقَدۡ مَسَّ ٱلۡقَوۡمَ قَرۡحٞ مِّثۡلُهُۥۚ
وَتِلۡكَ ٱلۡأَيَّامُ نُدَاوِلُهَا بَيۡنَ ٱلنَّاسِ وَلِيَعۡلَمَ ٱللَّهُ ٱلَّذِينَ ءَامَنُواْ
وَيَتَّخِذَ مِنكُمۡ شُهَدَآءَۗ وَٱللَّهُ لَا يُحِبُّ ٱلظَّٰلِمِينَ ١٤٠
وَلِيُمَحِّصَ ٱللَّهُ ٱلَّذِينَ ءَامَنُواْ وَيَمۡحَقَ ٱلۡكَٰفِرِينَ ١٤١ أَمۡ
حَسِبۡتُمۡ أَن تَدۡخُلُواْ ٱلۡجَنَّةَ وَلَمَّا يَعۡلَمِ ٱللَّهُ ٱلَّذِينَ جَٰهَدُواْ

مِنكُمْ وَيَعْلَمَ ٱلصَّٰبِرِينَ ﴿١٤٢﴾ وَلَقَدْ كُنتُمْ تَمَنَّوْنَ ٱلْمَوْتَ مِن
قَبْلِ أَن تَلْقَوْهُ فَقَدْ رَأَيْتُمُوهُ وَأَنتُمْ تَنظُرُونَ ﴿١٤٣﴾

Theme	
Prohibition of usury. Allah loves charitable people. Believers are promised to have upper hand. No paradise without trial.	सूद की मुमानअत। अल्लाह तआला सदक़ा व ख़ैरात करने वालों से मुहब्बत फ़रमाता है। अहल-ए-ईमान को ग़लबे की बशारत। आज़माइश के बग़ैर जन्नत नहीं मिल सकती।
Tarjumani	
O believers! Do not consume usury which is compounded over and over again. Have fear of Allah so that you may prosper Guard yourself against the Fire which is pre-pared for the unbelievers. Obey Allah and His Rasool so that you may be shown mercy. Rush towards the forgiveness from your Rabb to a paradise as vast as the heavens and the earth which is prepared for the righteous people; those who spend generously in the Way of Allah, whether they are in prosperity or in adversity, who control their anger and forgive other people, Allah loves such charitable people, who, if they commit an indecency or wrong their own souls, earnestly remember Allah and seek forgiveness for their sins; for no one can forgive sins except Allah, and those who do not knowingly persist in something wrong which they have	ऐ लोगो जो ईमान लाए हो, यह बढ़ता और चढ़ता सूद खाना छोड़ दो और अल्लाह से डरो, उम्मीद है कि फ़लाह पाओगे	उस आग से बचो जो काफिरों के लिए मुहैया की गई है	अल्लाह और रसूल की इताअत करो, तवक्को है कि तुमपर रहम किया जाएगा	दौड़कर चलो उस राह पर जो तुम्हारे रब की बखशिश और उस जन्नत की तरफ़ जाती है जिसकी वुसअत ज़मीन और आसमानों जैसी है, और वह उन खुदातरस लोगों के लिए मुहैया की गई है जो हर हाल में अपने माल ख़र्च करते हैं खाह बदहाल हों या ख़ुशहा, जो गुस्से को पी जाते हैं और दूसरों के कुसूर माफ़ कर देते हैं--- ऐसे नेक लोग अल्लाह को बहुत पसंद हैं--- और जिनका हाल यह है कि अगर कभी कोई फुहश काम उनसे सरज़द हो जाता है या किसी जुनाह का इरकिताब करके वे अपने ऊपर जुल्म कर बैठते हैं तो मअन अल्लाह उन्हें याद आ जाता है और उससे वे अपने कुसूरों की माफ़ी चाहते हैं--- क्योंकि

done. Such people will be rewarded with forgiveness from their Rabb beside gardens beneath which rivers flow, to live therein forever. How excellent is the reward for such laborers! As for those, who rejected the Divine Revelations, there have been many examples before you. Travel through the earth and see what was the end of those who rejected the truth. This (the Quran) is a clear declaration to mankind, a guidance and an admonition to those who are God-conscious Do not grieve and get disheartened for you will have the upper hand if you are believers If you have suffered a wound, so did the enemy. We alternate these days of varying fortunes among mankind so that Allah may know the true believers and take witnesses to the truth (grant martyrdom) from among you, for Allah does not love the unjust people, and that Allah may purge the believers and destroy the unbelievers. Do you think that you will enter paradise without going through the trial? Allah has not yet tested you to see who among you strive hard for His cause and show patience for His sake. You certainly used to wish for death before you confronted it, now you have seen with your own eyes what it is like.

अल्लाह के सिवा और कौन है जो गुनाह माफ़ कर सकता हो --- और वे कभी दानिस्ता अपने किए पर इसरार नहीं करते | ऐसे लोगों की जज़ा उनके रब के पास यह है कि वह उनको माफ़ कर देगा और ऐसे बागों में दाख़िल करेगा जिनके नीचे नहरें बहती होंगी और वहाँ वे हमेशा रहेंगे | कैसा अच्छा बदला है नेक आमाल करनेवालों के लिए | तुमसे पहले बहुत-से-दौर गुज़र चुके हैं | ज़मीन में चल-फिरकर देख लो कि उन लोगों का क्या अंजाम हुआ जिन्होंने (अल्लाह के अहकाम व हिदायात को) झुठलाया | यह लोनों के लिए एक साफ़ और सरीह तंबीह है और जो अल्लाह से डरते हों उनके लिए हिदायत और नसीहत |दिलशिकस्ता न हो, गम न करो, तुम ही ग़ालिब रहोगे अगर तुम मोमिन हो | इस वक़्त अगर तुम्हें चोट लगी है तो इससे पहले ऐसी ही चोट तुम्हारे मुखालिफ़ फ़रीक को भी लग चुकी है | यह तो ज़माने के नशेबो-फ़राज़ हैं जिन्हें हम लोगों के दरमियान गर्दिस देते रहते हैं | तुमपर यह वक़्त इसलिए लाया गया कि अल्लाह देखना चाहता था कि तुममें सच्चे मोमिन कौन हैं, और उन लोगों को छाँट लेना चाहता था जो वाकई (रास्ती के) गवाह हों--- क्योंकि ज़ालिम लोग अल्लाह को पसन्द नहीं हैं--- और वह इस आज़माइश के ज़रीए से मोमिनों को अलग छाँटकर काफिरों की सरकूबी कर देना चाहता था | क्या तुमने यह समझ रखा है कि यूँ ही ज़न्नत में चले जाओगे, हालाँकि अभी अल्लाह ने यह तो देखा ही नहीं कि तुममें कौन वे लोग हैं जो उसकी राह में जानें लड़ानेवाले और उसकी खातिर सब्र करनेवाले हैं | तुम तो

	मौत की तमन्नाए कर रहे थे! मगर यह उस वक़्त की बात थी जब मौत सामने न आई थी, लो अब वह तुम्हारे सामने आ गई और तुमने उसे आँखों देख लिया।
Tafsir	